लेखा-जोखा रियल एस्टेट विवाद के निपटारे के लिए गुरुग्राम में इसी साल स्थापित हुआ हरेरा कार्यालय

पूरे साल संभलने की जद्दोजहद करता रहा रियल एस्टेट

अलविदा 2018

जीएसटी, उद्योग, व्यापार

यशलोक सिंह • गुरुग्राम

रियल एस्टेट एवं आवास क्षेत्र के लिए वर्ष 2018 मिलाजुला साबित हुआ। पूरे साल यह संभलने की जद्दोजहद में करता रहा। बिल्डरों और डेवलपर्स के तमाम प्रयास के बाद भी इस क्षेत्र को उतना ऑक्सीजन नहीं मिल सका, जितने की जरूरत महसूस हो रही थी। रियल एस्टेट विशेषज्ञों का कहना है कि इस साल कुछ ऐसे काम जरूर हुए हैं जिससे इसे आगे चलकर बल मिलेगा। लक्जरी रेजिडेंशियल के प्रति यहां उत्साह काफी कम रहा। अफोर्डेबल हाउसिंग की बात की जाए तो इसे बढ़ावा इस साल जरूर मिला है। क्रेडाई की रिपोर्ट के मुताबिक देश में रियल एस्टेट प्रॉपर्टी की बिक्री पहले तीन तिमाही में 40 फीसद तक बढ़ी है। गुरुग्राम में भी इसका कुछ सकारात्मक असर दिखा है। वहीं हरियाणा भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (हरेरा) का गुरुग्राम में कार्यालय स्थापित होना इस साल की एक बड़ी उपलब्धि है। इसके बाद से रियल एस्टेट की खरीद-फरोख्त में

गुरुग्राम शहर का दृश्य • जागरण

पारदर्शिता का दौर शुरू हुआ। आवंटियों से धोखाधड़ी करने वाले डेवपलर्स पर भी लगाम कसनी शुरू हो गई है।

गुरुग्राम में हरेरा कार्यालय इसी साल की फरवरी में स्थापित हुआ था। पूरे साल यहां बिल्डरों की ठगी के शिकार बड़ी संख्या में निवेशक न्याय के लिए सड़कों पर उतरते रहे। इनमें से काफी ने बिल्डरों के खिलाफ हरेरा का दरवाजा खटखटाया है। गुरुग्राम रियल एस्टेट का बड़ा हब है। पिछले करीब चार साल से इस क्षेत्र में लगातार मंदी की मार है। इस क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि कुछ बिल्डरों द्वारा अपनी रिहायशी एवं कॉमर्शियल परियोजनाओं पर काम शुरू करने और उन्हें पूरा करने के मामले में काफी अनियमितता बरती है। यही वजह है कि यह क्षेत्र लड़खड़ा गया है। अब माहौल ऐसा हो गया है कि लोगों का बिल्डरों पर विश्वास काफी कम हो गया है।

बिल्डरों का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना और दीन दयाल आवास योजना जैसी स्कीम से इस साल अफोर्डेबल हाउसिंग सेक्टर को काफी बढ़ावा मिला। गुरुग्राम में भी इससे संबंधित कुछ प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इसी साल 23 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर गुरुग्राम के दौरे पर आए थे। उनका यह दौरा सेक्टर-65 में प्रस्तावित ट्रंप टावर रिहायशी प्रोजेक्ट का प्रमोशन था। इसके बावजूद खरीदारों का भरोसा उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ा।

साल 2018 अफोर्डेबल हाउसिंग की दृष्टि से काफी

महत्वपूर्ण रहा। इस वर्ष गुरुग्राम में 1000 यूनिट्स का पहला अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट भी लोगों को हैंडओवर किया गया। यह इस क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि रही है। ओवरऑल रियल एस्टेट क्षेत्र की बात की जाए तो इसे उभरने में थोड़ा समय लगेगा।

प्रदीप अग्रवाल, चेयरमैन सिग्नेचर ग्लोबल

साल 2018 में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेंट को लेकर काफी काम हुए हैं। जो

रियल एस्टेट क्षेत्र के उभार में बड़ी भूमिका निभाएंगे। केजीपी, केएमपी और एफएनजी के विस्तार से दिल्ली-एनसीआर के शहरों में रेजिडेंशियल व कमर्शियल प्रोजेक्ट्स को बल मिलना शुरू हुआ है। वैसे बात करें तो यह साल इस क्षेत्र के लिए मिलाजुला रहे।

कमल तनेजा, एमडी, टीडीआइ इंफ्राकॉर्प

वर्ष 2018 में रेरा के सक्रिय होकर काम करने से खरीदार में भी रियल

एस्टेट के प्रति विश्वास जागृत होना शुरू हुआ। सरकार की दीन दयाल जन आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवासीय योजना से भी इस क्षेत्र में उत्साह आया है। -**कुशाग्र अंसल**, डायरेक्टर, अंसल हाउसिंग एवं प्रेसिडेंट, क्रेडाई हरियाणा

वर्ष 2018 की बात की जाए तो इस साल रियल एस्टेट के लिए

सकारात्मक माहौल बना है। जिसका फायदा आगे चलकर मिलेगा। इस साल रियल एस्टेट खरीदारी में सकारात्मकता आई है।

आशीष सरीन, निदेशक एवं सीईओ, अल्फाकॉर्प